उत्तराखंड में बदले जाएंगे गुलामी के सभी प्रतीकों के नाम

चर्चा में क्यों?

29 अक्टूबर, 2022 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऐलान किया कि राज्य में उपनिवेशवाद, यानी गुलामी के सभी प्रतीकों के नाम बदले जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिया है कि राज्य में उपनिवेशवाद के सभी प्रतीकों का नाम बदलकर उनका दोबारा नामकरण किया जाएगा।
- उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में जिन सड़कों और शहरों के नाम अंग्रेज़ों के जमाने के हैं, उनको बदला जाएगा।
- विदित है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद देश में उपनिवेशवाद के सभी प्रतीकों को बदला जा रहा है और इन्हीं की तर्ज़ पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने सूबे में कई स्थानों के नाम बदले हैं।
- गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण करने के साथ ही 'कर्तव्य पथ' का उद्घाटन किया था। 'कर्तव्य पथ' को पहले 'राजपथ' कहा जाता था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/names-of-all-symbols-of-slavery-will-be-changed-in-uttarakhand